aglasem.com

FOR KARNATAKA CLASS 10 PREPARATION

Karnataka SSLC Model Question Paper 2027 for Hindi First Language (Paper 4) Key Answers

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Karnataka Class 10	2027	Answer Key	Hindi

ಕರ್ನಾಟಕ ಶಾಲಾ ಪರೀಕ್ಷೆ ಮತ್ತು ಮೌಲ್ಯನಿರ್ಣಯ ಮಂಡಳಿ

6 ನೇ ಅಡ್ಡರಸ್ತೆ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು-560003

KARNATAKA SCHOOL EXAMINATION AND ASSESSMENT BOARD

6th Cross, Malleshwaram, Bengaluru – 560003

2026-27 ನೇ ಸಾಲಿನ ಎಸ್. ಎಸ್. ಎಲ್. ಸಿ. ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು - **04**

S.S.L.C. MODEL ANSWERS – 04 - 2026-27

ವಿಷಯ: ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ- ಹಿಂದಿ

Subject: First Language- HINDI

ಸಮಯ: **3** ಗಂಟೆ **15** ನಿಮಿಷಗಳು ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು: **100**

ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ: **06H** **Subject Code : 06H**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य सूचनाएं:

1. इस प्रश्नपत्र में कुल 45 प्रश्न हैं।
2. सभी प्रश्नों के लिए दिए गए निर्देशों का पालन करें।
3. प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके दाहिनी ओर हाशिये में दिए गए हैं।
4. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अधिकतम समय इस पृष्ठ के ऊपर दिया गया है, जिसमें प्रश्न पत्र पढ़ने के 15 मिनट भी शामिल हैं।

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
I	**बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर ।**	**6X6=6**
1	'अगला' शब्द का विलोम रूप है – A. सामने B. पिछला C. पीछे D. आगे । **उत्तर : (B) पिछला**	
2	'पंडित' शब्द का स्त्री लिंग रूप है – A. पांडित्य B. लेखिका C. पंडिताइन D. कवयित्री । **उत्तर : (C) पण्डिताइन**	
3	'अनेक' शब्द का एकवचन रूप है – A. एक B. बहुत C. एकता D. अनगिनत । **उत्तर : (A) एक**	
4	निम्नलिखित में से प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप है – A. मिटवाना B. मिटता C. मिटा D. मिटाना **उत्तर : (D) मिटाना**	
5	निम्नलिखित में से उपसर्गयुक्त शब्द है – A. बचपन B. कड़वाहट C. अगोचर D. मिठास । **उत्तर : (C) अगोचर**	
6	संभाजी छत्रपति शिवाजी __ पुत्र था । रिक्त स्थान के लिए उचित कारक प्रत्यय है – A. के B. का C. की D. से । **उत्तर : (B) का**	
II.	**अनुरूपता के उत्तर ।**	**4X1=4**
7	साधु ने तावीज बनाया : भूतकाल : : प्रजा हल्ला मचा रही है : ____। **उत्तर : वर्तमान काल**	
8	परमात्मा : दीर्घ संधि : : यज्ञोपवीत :____। **उत्तर : गुण संधि**	
9	राजमहल : तत्पुरुष समास : : पंचवटी :_____। **उत्तर : द्विगु समास**	
10	मैंने रोटी खाई : विधिवाचक वाक्य : : तुम्हारा नाम क्या है ? :____। **उत्तर : प्रश्नवाचक वाक्य**	
III.	**एक एक पूर्ण वाक्य में उत्तर ।**	7×1=7

11	हिंदुस्तान आकर मेजर डगलस ने क्या खरीदा था ? बताइए। **उत्तर :** हिन्दुस्तान आकर मेजर डगलस ने जहांगीरी अंडा खरीदा था।	
12	गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका क्यों जाना पड़ा? कारण बताइए। **उत्तर :** पोरबंदर में एक बड़े व्यापारी संस्था "अब्दुल्ला एंड कंपनी "के मुकदमे की पैरवी के लिए गांधीजी को दक्षिण अफ्रीका जाना पड़ा।	
13	किसकी चप्पल की कील उखड़ी हुई थी ? **उत्तर :** गुरुदेव रविंद्रनाथ टैगोर की चप्पल की खील उखड़ी हुई थी।	
14	लोकगीतों के रचनाकार कौन हैं ? **उत्तर :** लोकगीतों के रचनाकार अधिकतर गाँव के लोग ही हैं।	
15	कभी परदेस में हो तो, तब भी कवि इकबाल जी का दिल कहाँ होता है ? **उत्तर :** कभी परदेश में हो तो भी, कवि इकबाल जी का दिल हिन्दुस्तान में ही होता है।	
16	कवि अज्ञेय जी उधार देने से क्यों डरते हैं ? **उत्तर :** कवि अज्ञेय जी उधार देने से डरते हैं क्योंकि वे सिर्फ लेना जानते हैं, देना उनके प्रकृति नहीं।	
17	जीवन में सफलता प्राप्त करने का एकमात्र उपाय क्या है ? **उत्तर :** परिश्रम ही जीवन में सफलता प्राप्त करने का एक मात्र उपाय है।	
IV.	**दो तीन वाक्यों में उत्तर ।**	**10X2=20**
18	गांधीजी की पढ़ाई के बारे में आप क्या जानते हैं ? **उत्तर :** पिता के देहांत के बाद गांधीजी 4 सितंबर, 1888 ई को बैरिस्ट्री की परीक्षा के लिए विलायत गए। इंग्लैंड में उन्होंने 'टॉलस्टॉय 'और 'रस्किन' की पुस्तकों का भी अध्ययन किया। तीन सालों की पढ़ाई के बाद सन् 1888 में गांधीजी बैरिस्टर बनकर भारत वापस आए।	
19	एच. जी. वेल्स ने घमंडी अभिनेत्री का सर कैसे झुकाया ? **उत्तर :** लेखक वेल्स ने चिट्ठी में लिखा - 'आपको यह पुस्तक पसंद आई, धन्यवाद, पर यह बताइए कि यह पुस्तक आपको किसने पढ़कर सुनाई? मतलब यह कि आपकी राय में मैं लेखक नहीं हूं, पर मेरी राय में तो आप अनपढ़ भी हैं। इस लायक भी नहीं कि कोई पुस्तक बांच सकें।' इसे पढ़ते ही घमंडी अभिनेत्री का सर झुक गया।	
20	लोकगीतों के भाषा और भाव के बारे में जानकारी दीजिए। **उत्तर :** सभी लोकगीत, गांवों और इलाकों की बोलियों में गाए जाते हैं। इसी कारण ये बड़े आह्लादकर और आनंददायक होते हैं। राग तो इन गीतों के आकर्षक होते ही हैं। इनकी समझी जा सकने वाली भाषा भी इनकी सफलता का कारण है।	

21 ट्रेन में बोरिस का व्यवहार कैसा था ?

उत्तर :

ट्रेन में खाने की बोगी नहीं थी। लेखक के मित्र बोरिस, टोकरी भरकर भोजन लाए थे। उनका ध्यान चारों ओर रहता था। कौन मांसाहारी है ? कौन शाकाहारी है? किसको फल चाहिए? और किसे पनीर पसन्द है , ये सब बातें उन्हीं मालूम थीं।

22 "मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना "। इस पंक्ति का अर्थ क्या है ?

उत्तर :

कवि इकबाल के मुताबिक हिन्दुस्तान सारे जहाँ से अच्छा है । यहाँ संसार का सबसे ऊँचा पर्वत हिमालय है। इस ज़मीन पर हजारों नदियाँ बहती हैं। समाज में अनेकता में एकता दिखाई देती है। यहाँ का कोई भी धर्म आपस में लड़ाई झगड़े करने की सीख नहीं देता, सब भाईचारा निभाते हैं ।

23 सवेरे उठते ही प्रकृति कवि अज्ञेय जी को कैसे मोहित कर लेती है ?

उत्तर :

सवेरे उठते ही हल्की सी धूप , चिड़ियों की सुरीली आवाज़, हरी हरी घास, शंखपुष्पी की बिखरती हुई श्वेत चमक , बहता हुआ शीतल पवन , आनंद से थिरकती लहरें , ऊपर फैला हुआ असीम आकाश - सब कवि अज्ञेय जी को मोह लेती है ।

24 " मैं अपने भाग्य का निर्माता स्वयं हूँ " नेपोलियन ने ऐसा क्यों कहा ?

उत्तर :

एक बार नेपोलियन ने एक ज्योतिषी को अपना हाथ दिखाया, उसने हाथ देखकर कहा कि उसमें भाग्य की रेखा ही नहीं है। नेपोलियन ने चाकू से अपने हाथ में एक रेखा खींची और कहा 'लीजिए बन गई भाग्य की रेखा ' नेपोलियन बड़ा परिश्रमी और सत्यवादी था। उसे ज्योतिष शास्त्र पर बिल्कुल विश्वास नहीं था, बड़ा आदर्शवादी था ।

25 स्काउट के जन्मदाता बेडेन पॉवेल का परिचय दीजिए ।

उत्तर :

बेडेन पावेल का जन्म 22 फ़रवरी सन् 1857 को लंदन में हुआ था। जब वे छोटे थे तभी उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। वे बचपन से ही साहसिक कार्यों में रुचि लेते थे। खाली समय में वे अपने माताजी की घरेलू कार्यों में सहायता किया करते थे। बेडन पावेल ही स्काउट के जन्मदाता थे ।

26 रैदास ने सेठ को सुपारी देते समय कैसी शर्त रखी ?

उत्तर :

रैदास ने सेठ को सुपारी देते समय यह शर्त रखी कि अगर गंगा मैया हाथ फैलाकर सुपारी ले तभी भेंट करें, नहीं तो सुपारी लौटा दें। सेठ ने रैदास से सुपारी तो ले ली, परंतु मन ही मन रैदास का मजाक बनाने लगा ।

27 मनुष्य अपनी क्षमताओं की कदर क्यों नहीं करता ?

उत्तर :

जिन लोगों की आंखें हैं, वे सचमुच बहुत कम देखते हैं। इस दुनिया के अलग-अलग रंग उनकी संवेदना को नहीं छूते। इसीलिए मनुष्य अपनी क्षमताओं की भी कदर नहीं करता। वह हमेशा उस चीज़ की आस लगाए रहता है जो उसके पास नहीं है ।

V.	**लेखक / कवि परिचय ।**	**2X3=6**
28	**हरिशंकर परसाई ।** **उत्तर :** i) जन्म : श्रेष्ठ व्यंग्य कहानीकार श्री हरिशंकर परसाई का जन्म 1924 में हुआ । ii) कृतियाँ : भोलाराम का जीव ,चावल से हीरों तक , कचरे में , एक बेकार घाव , सड़क बन रही है , पोस्तरी एकता आदि । iii) अन्य जानकारियाँ: एम.ए. होने के पश्चात कुछ दिनों तक आपने अध्यापन कार्य किया। तदनंतर साहित्य सृजन में जुट गए । व्यंग्य उनकी लेखन कला का प्राण है ।	
29	**रहीम ।** **उत्तर :** i) जन्म : इनका जन्म 1610 में हुआ ii) कृतियाँ : रहीम सतसई , बरवै नायिका भेद , रास पंचाध्यायी , श्रृंगार सोरठा ,मद्यनाष्ठक । iii) रहीम का पूरा नाम था, अब्दुल रहीम खान खाना । ये संस्कृत , अरबी, फारसी तथा हिन्दी के मर्मज्ञ विद्वान थे। भगवान कृष्ण की इनकी भक्ति अनन्य थी। सन् 1682 में स्वर्ग सिधारे ।	
VI.	**छंद पहचानिए ।**	**1X3=3**
30	दया धर्म का मूल है , पाप मूल अभिमान । तुलसी दया न छांड़िए , जब लग घट में प्राण ।। **उत्तर :** ISS ISS ISS ISS IIS दया धर्म का मूल है , पाप मूल अभिमान । IISS ISS IS IS IIIIIIS S तुलसी दया न छांड़िए , जब लग घट में प्राण ।। i) यह दोहा छंद है । ii) यह एक अर्धसम मात्रिक छंद है । iii) इसके पहले और तीसरे चरण में 13 -13 मात्राएं और दूसरे और चौथे चरण में 11-11 मात्राएं होती हैं। iv) हर पंक्ति में 24 मात्राएँ ।	
VII.	**अलंकार पहचानिए ।**	**1X3=3**
31	कनक - कनक ते सौ गुनी , मादकता अधिकाय । **उत्तर :** i) यह यमक अलंकार है । ii) यह शब्दालंकार का भेद है । iii) यहाँ कनक शब्द का प्रयोग दो बार हुआ है, लेकिन भिन्न भिन्न अर्थों में धतूरा, और सोने के अर्थ में	

VIII.	**सन्दर्भ के साथ व्याख्या ।**	4X3=12
32.	" देखो , घोड़ा सबेरे के लिए जीन कसकर तैयार रहे । " **उत्तर :** पाठ का नाम : अपना - पराया । लेखक का नाम : जैनेन्द्र । सन्दर्भ व व्याख्या : सिपाही बहुत दूर से आ रहा था और खूब थका हुआ भी था। 5 सालों के बाद, वह अपने परिवार से मिलने जा रहा था । उसे और लंबी दूरी तय करनी थी। थोड़ी देर आराम करना चाहता था, इसीलिए वह सड़क के किनारे की एक सराय पर घोड़े से उतरा। उसने सराय वाले के हाथ घोड़ा थमाया। हालचाल मालूम किया और अपनी फौज की बहुत सी बातें बताई। सैनिक की जिंदगी का स्वाद बताया, तभी सिपाही ने सरायवाले के हाथ में चवन्नी थमाकर कहा कि वह सुबह जल्दी निकलेगा। इसके लिए घोड़ा जीन कस कर तैयार रहे। विशेषता : सैनिकों के जीवन पर एक।	
33	" मुझे पूरा विश्वास है यह प्रसिद्ध अकबरी लोटा है " **उत्तर** : पाठ का नाम : अकबरी लोटा लेखक का नाम : अन्नपूर्णानंद वर्मा सन्दर्भ व व्याख्या : पंडित बिलवासी मिश्र लाला झाऊलाल को अंग्रेज से बचाने की कोशिश में उनके मामूली लोटे को पचास में खरीदना चाहते हैं। अंग्रेज को मूर्ख बनाना चाहते हैं। अंग्रेज भी बड़ी आसानी से उनके जाल में फंसता जाता है। पंडित बिलवासी मिश्र अंग्रेज को उस लोटे का परिचय देते कहते हैं कि वह एक ऐतिहासिक लोटा है, अकबरी लोटा है। उसकी तलाश में संसार भर के म्यूजियम वाले परेशान हैं । विशेषता: प्राचीन वस्तुओं के संग्रह करने की आतुरता में धोखा ।	
34	" कैसे इन्हें मालूम हुआ कि मैं यहाँ हूँ? आश्चर्य है ! " **उत्तर :** पाठ का नाम : एक कुत्ता और एक मैना लेखक का नाम : हजारी प्रसाद द्विवेदी। सन्दर्भ व व्याख्या : लेखक हजारीप्रसाद जी एक दिन रवींद्रनाथ ठाकुर से मिलने श्रीनिकेतन गए । लेखक को देखकर ठाकुरजी मुस्कराए। बच्चों से जरा छेड़छाड़ की , कुशल प्रश्न पूछे और फिर चुप हो गए। ठीक उसी समय उनका कुत्ता धीरे-धीरे ऊपर आया और उनके पैरों के पास खड़ा होकर पूँछ हिलाने लगा। गुरुदेव ने उसकी पीठ पर हाथ फेरा। वह आँखें मूँद कर अपनी रोम रोम से उस स्नेह का अनुभव करने लगा । तभी ठाकुरजी लेखक की ओर देखकर ऊपर की बात कही । विशेषता : पशु पक्षियों के प्रति संवेदना ।	
35	आओ हिय में भरे उमंगे , आओ नव निर्माण करें । **उत्तर :** कविता का नाम : आओ , नवनिर्माण करें कवि का नाम : बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सन्दर्भ व व्याख्या: कवि बालकृष्ण शर्माजी वर्तमान की दुनिया से असंतुष्ट हैं। आजकल के सड़े गले समाज को देखकर वे बेचैन हो उठे हैं। समाज की इस गंदी स्थिति के लिए वे किसी को दोष देना नहीं चाहते हैं। बस उनके उत्कट इच्छा है कि एक नए समाज का निर्माण हो	

	जिसमें एक नई उमंग हो, नए प्राणों का संचार हो। यह काम अकेले कवि से नहीं हो सकता है, इसलिए वे हम सब को हाथ बंटाने का आमंत्रणा दे रहे हैं । विशेषता: समाज का नवनिर्माण ।	
IX.	**चार - पॉंच वाक्यों में उत्तर ।**	**3X3=9**
36	अपने शब्दों में रुपए की महानता का वर्णन कीजिए। **उत्तर :** आजकल के समाज में रुपया सर्वशक्तिमान है। इस संसार में यदि कोई ईश्वर है तो वह रुपया ही है वही सत्य है, शिव है सुंदर है, मनुष्य भी उसका गुलाम बन गया है रुपया उसे हज़ार नाच नचा सकता है, नचा चुका है और नचाता ही रहा है । दुनिया भी उसी से दबती है ।प्रकृति उसकी वशवर्तिनी है । उसकी झंनझनाहट में अलौकिक मधुरिमा है। वह सप्त स्वरों से ऊपर अष्टम स्वर है ,जो परम मधुर है। वही तारन- तरन है , धवलहरण है , मंगलकरण है, पुण्याचरण है । बादशाहों का बादशाह है।भगवान बोलते नहीं पर रुपए बोलता है , इसीलिए रुपए भगवान से भी बड़ा है । पर उसका सदुपयोग होना जरूरी है।नहीं तो अचातुर्य हो जाएगा ।	
37	शीला अग्रवाल ने मन्नू जी को साहित्य की ओर कैसे आकृष्ट किया ? विवरण दीजिए । **उत्तर:** शीला अग्रवाल सावित्री गर्ल्स हाईस्कूल के नए बने कॉलेज में काम करती थी। वे हिन्दी प्राध्यापिका थीं। उन्होंने ही मन्नुजी को साहित्य की दुनिया में प्रवेश करवाया। शीला अग्रवाल ने ही मात्र पढ़ने को चुन चुन कर पढ़ने में बदला । चुन चुन कर किताबें दी , पढीं हुई।किताबों पर बहसें की । तो दो साल बीतते न बीतते साहित्य की दुनिया के दिग्गजों की रचनाओं से परिचित होने लगी ।	
38	'पिछड़ा आदमी' – कविता आशय स्पष्ट कीजिए । **उत्तर:** पिछड़ा आदमी सचमुच पिछड़ा था क्योंकि सब बोलते थे तो वह चुप रहता था। सब चलते थे तो वह सबसे पीछे रहता था और जब सब पेटुओं की तरह खाते, तब वह अलग सबसे दूर बैठा, धीरे-धीरे से थोड़ा थोड़ा सा खाता था । लेकिन जब सारी दुनिया थकान से गहरी नींद में लीन हो जाती, तब वह अकेले आकाश में टकटकी लगाए रहता था। अर्थात् चिन्ता मग्न रहता था । हर कार्य में पीछे रहने वाला पिछड़ा आदमी देश की आज़ादी के लिए गोलियाँ झेलने के लिए सबसे आगे रहा और मारा गया। इस कविता में कवि पिछड़े आदमी की देशभक्ति का परिचय देते हैं और नेक काम में कभी देरी न करे, देश के प्रति अभिमान जगा लें ।	
X.	**पद्यांश की पूर्ति ।**	**1X4=4**
39	पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला पोसा । किए हुए हैं वह निज हित का तुमसे बड़ा भरोसा । उससे होना उऋण प्रथम है , सत्कर्तव्य तुम्हारा । फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा । अथवा	

	जग में सुख की प्राप्ति के लिए एक सहायक दुख है । वही जगाता है, सद्‌गुण को , सद्‌गुण लाता सुख है । बाधा , विघ्न , विपत्ति, कठिनता जहाँ जहाँ सुन पाना । सबके बीच निडर हो जाना, दुख को गले लगाना ।	
XI. **40**	**पद्यांश का भावार्थ ।** **उत्तर:** कविता का नाम : अक्कमहादेवी के वचन कवयित्री का नाम : अक्कमहादेवी अनुवादिका का नाम: डॉ॰ नंदिनी गुंडू राव भावार्थ: मनुष्य मुरझाए फूलों में कभी भी सुगंध ढूँढ़ने का प्रयास नहीं करेगा। बच्चे में सच्चाई है या बुराई है देखने का प्रयास कोई नहीं करेगा। विश्वास को धक्का लगने के बाद फिर से सद्‌गुण दिखाई देने पर कोई विश्वास नहीं करेगा । जो कोई पहले से दुखी है और भी उसे दुखी करने का प्रयास कौन करेगा? हे , मेरी भगवान , इस संसार रूपी नदी पार करने के बाद मल्लाह रूपी भगवान को कौन याद करेगा? अर्थात् सभी पथ प्रदर्शक को भूल जाएंगे । विशेषता : मानव जीवन की वास्तविकता का चित्रण । अथवा भावार्थ: अक्कमहादेवी अपने वचन में बुराइयों में भी अच्छाई पाने का आशय व्यक्त करते हुए कहती हैं कि अज्ञानियों से स्नेह करने से स्वयं की वृद्धि होती है । क्योंकि उन्हें सुधारते सुधारते स्वयं बहुत कुछ सीख जाते हैं। यहाँ पत्थर अर्थात् अज्ञानी , चिंगारी अर्थात् उसे सशक्त बनाना, ज्ञानियों के संग करने से हम सुलभ रूप से ज्ञानी बन जाएंगे जैसे दही के मथने से माखन निकल आता है। अक्कमहादेवी अपने प्रभु की प्रशंसा करते हुए कहती हैं, तुम्हारे भक्तों का संग करना कर्पूरगिरी की ज्योति को पाने के समान है। विशेषता: ज्ञानियों के संघ का महत्त्व ।	**1X4=4**
XII. **41**	**आठ - दस वाक्यों में उत्तर ।** कर्नाटक कुलपुरोहित आलूर वेंकटराव जी के जन्म और शिक्षा विस्तार से बताइए ।	**2X4=8**

उत्तर :

सन् 1880 जुलाई 12 को विजयपुरा के शिरस्तेदार, भीमराय और भागीरती दम्पत्ति के यहाँ वेंकटराव का जन्म हुआ। सभी प्यार से ' वेंकण्णा' ' के नाम से पुकारने लगे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा नवलगुंड में हुई । कन्नड़ स्कूल में उनका नाम दर्ज कराया गया। घर पर ही उनको संस्कृत सिखाई जाती थी। वे कन्नड, संस्कृत, मराठी तथा अंग्रेजी भाषाओं में पारंगत हुए। पुणे के फ्रर्ग्यसन कॉलेज में दाखिला लिया। कालेज में कन्नड़ विद्यार्थियों का एक कन्नड़ क्लब शुरू किया गया । वेंकटरावजी, उसके अधीक्षक बने । 1903 ई में वेंकटराव जी ने बी.ए. के उपाधि प्राप्त की। एल एल बी पढ़ने के लिए मुंबई जाना पड़ा। एल एल बी का अध्ययन समाप्त करके वेंकटराव अपने गाँव लौटे ।

अथवा

कर्नाटक एकीकरण में विद्यावर्धक संघ के योगदान का परिचय दीजिए ।

उत्तर:

कन्नड भाषा की अभिवृद्धि तथा कर्नाटक के हित की रक्षा के लिए 1890 में कर्नाटक विद्यावर्तक संघ की स्थापना की गई। संघ ने उतर कर्नाटक में काफी जागृति उत्पन्न की थी। संघ की प्रगति के लिए वेंकट राव जी ने कन्नड अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप संघ में धीरे-धीरे प्राणों का संचार होने लगा। कर्नाटक विद्यावर्धक संघ की मुखपत्रिका थी 'वाग्भूषण ' उसके संपादक का भार भी वेंकटराव पर पड़ा । 1907 जून में कर्नाटक विद्यावर्धक संघ का वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। उसी के एक अंग के रूप में कन्नड़ ग्रंथकर्ताओं का प्रथम सम्मेलन हुआ जिसमें लेखक, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। वेंकटरावजी संघ के सारे काम अनासक्त योगी की भांति करते रहे ।

42 पुरुषोत्तम के अब्राह्मण के साथ भोजन करने से पूरे परिवार पर कैसा असर पड़ सकता है ?

उत्तर:

अहिल्या के अनुसार, पुरुषोत्तम के अब्राह्मण के साथ एक ही थाली में भोजन करने से परिवार पर बहुत ही बुरा असर पड़ सकता है। जैसे सिर्फ पुरुषोत्तम ही नहीं, सारा कुटुंब ही भ्रष्ट हो जाएगा। कन्याओं का विवाह किसी ब्राह्मण कुटुंब में न हो सकेगा। पुत्र की संतान भी भ्रष्ट हो जाएगी। उसका यज्ञोपवीत न होगा और न ब्राह्मण में विवाह संस्कार । जन्म भर का सारा पूजन अर्चन समाप्त हो जाएगा । जन्म भर के सारे नियमव्रत भंग हो जाएंगे, सबका इहलोक और परलोक बिगड़ जाएगा। सिर्फ पुरुषोत्तम ही नष्ट नहीं होते, कुल का भी नाश हो जाता ।

अथवा

पुरुषोत्तम विनायक की असलियत छिपाने के लिए कैसा निर्णय लेते हैं ?

उत्तर:

पुरुषोत्तम छत्रपति शिवाजी के पुत्र सांभाजी की असलियत छिपाने की कोशिश कर उसके साथ एक ही थाली में भोजन करने को तैयार हो जाते हैं। धर्म और शास्त्रों में सत्य कहने के बारे में जो लिखा है, उसका गहराई से सोच विचार करते हैं शास्त्रों में सत्य और सत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की है। अनेक बार सत्य के स्थान पर मिथ्या भाषण सत्य से भी बड़ी वस्तु होता है। जीवन में धर्म से बड़ी कोई चीज़ नहीं धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है तो असत्य सत्य से बड़ा

	हो जाता है। शिवाजी महाराज पूरे दिल्ली में सिर्फ पुरुषोत्तम पर ही विश्वास करते हैं। इसी विश्वास के बलबूते पर अपने पुत्र सांभाजी को उनके यहाँ छोड़कर गए हैं। सांभाजी को सांभाजी कहना उनके साथ विश्वासघात है। इसीलिए पुरुषोत्तम सांभाजी को औरंगजेब से बचाने के कोशिश में उसी के साथ एक ही थाली में भोजन करने को तैयार होते हैं ।	
XIII. 43	**अपठित गद्यांश के उत्तर ।** भारत बहुधर्मीय देश है । अलग - अलग धर्मों के अलग - अलग रीति - रिवाज, आचार - विचार, पर्व -त्योहार होते हैं । जैसे दिवाली, दशहरा, गणेश चतुर्थी, मकर संक्रांति, क्रिसमस, ईस्टर, बैसाखी, विशु,ओणम, युगादि, रमजान, बकरीद, मुहर्रम आदि । सावन पूर्णिमा के अवसर के शुभ दिन पर सुंदर त्योहार 'रक्षा बंधन' का आगमन होता है । भारत में इस पवित्र त्योहार का विशेष महत्व है । यह वर्षा ऋतु का सूचक बनकर आता है । 'रक्षा बंधन' अर्थात रक्षा का बंधन । इन दो शब्दो में केवल भाई - बहन के पवित्र स्नेह का ही नहीं, एक दूसरे के प्रति घनिष्ठता की भावना है । 'रक्षा बंधन' देश के कोने - कोने में मनाया जाता है । सारी बहनें इस त्योहार की साल भर प्रतीक्षा करती रहती है । वे अपने हाथों से भाइयों को राखी बॉधकर मिठाई खिलाती है । इसी आनन्द और हॅसी - खुशी के साथ यह त्योहार संपन्न होता है । **प्रश्न :** a) रक्षा बंधन त्योहार का महत्व बताइए ? b) रक्षा बंधन त्योहार कैसे मनाया जाता है ? **उत्तर:** a) सावन पूर्णिमा के अवसर के शुभ दिन पर सुंदर त्यौहार रक्षाबंधन का आगमन होता है। यह वर्षा ऋतु का सूचक बनकर आता है। रक्षाबंधन अर्थात रक्षा का बंधन इन दो शब्दों में केवल भाई बहन के पवित्र स्नेह का ही नहीं, एक-दूसरे के प्रति घनिष्ठता की भावना है। b) सारी बहनें इस त्योहार की साल भर प्रतीक्षा करती रहती हैं।वे अपने हाथों से भाइयों को राखी बांधकर मिठाई खिलाती हैं ।	**1×4=4** **(2+2)**
XV. 44	**पत्र लेखन ।** अपने जन्म दिन के अवसर पर दो दिनों की छुट्टी के लिए प्रधानाध्यापक के नाम एक पत्र लिखिए । अथवा पढ़ाई की जानकारी देते हुए अपनी माताजी के नाम एक पारिवारिक पत्र लिखिए । **उत्तर:** व्यावहारिक पत्र: i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) प्रेषक / सेवा में : 1/2 iii) संबोधन – विषय : 1 iv) पत्र का कलेवर : 2 1/2 v) समाप्ति : 1/2	**1×5=5**

	अथवा पारिवारिक पत्र : i) स्थान एवं तिथि : 1/2 ii) संबोधन - अभिवादन : 1 iii) पत्र का कलेवर : 2 1/2 iv) समाप्ति : 1/2 v) पत्र पाने वाले का पता : 1/2	
XV. **45**	**निबंध लेखन ।** a) दूरदर्शन से हानि - लाभ b) दीपावली । **उत्तर :** i) भूमिका 1 ii) विषय विश्लेषण 2 iii) उपसंहार 1 iv) भाषा और शैली 1	**1X5=5**